राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 478

20 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात की कीमत

478. श्री राम विचार नेतामः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में इस्पात की कमजोर घरेलू मांग के कारण इसकी कीमत पिछले 3 वर्षों की तुलना में सबसे कम हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इसके कारण घरेलू इस्पात कम्पनियों को भारी नुकसान हुआ है और कुछ बड़ी कम्पनियों ने अपना उत्पादन बंद कर दिया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): इस्पात उद्योग एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और देश में इस्पात मूल्य बाजार आधारित और व्यावसायिक रूप से निर्धारित होते हैं। इस्पात का मूल्य विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है और इसके लिए केवल कम घरेलू माँग को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अक्टूबर 2019 के दौरान लोहा और इस्पात की प्रमुख वस्तुओं के घरेलू, औसत, खुदरा मूल्यों (दिल्ली बाजार) और इसी अवधि के पिछले तीन वर्षों के मूल्य यह दर्शाते हैं कि यदि पिछले तीन वर्षों में उसी माह के मूल्यो की तुलना की जाए तो सभी वस्तुओं के लिए ये मूल्य अक्टूबर 2016 में न्यूनतम थे:-

मद	घरेलू, औसत, खुदरा मूल्य (दिल्ली बाजार)			
	अक्टूबर, 2019	अक्टूबर, 2018	अक्टूबर, 2017	अक्टूबर, 2016
	(रुपया/टन)	(रुपया/टन)	(रुपया/टन)	(रुपया/टन)
वायर रॉड 8 एमएम	41890	49560	42105	36000
राउंड्स 12 एमएम	41760	48380	38356	35000
टीएमटी 10 एमएम	42330	51212	41348	36000
प्लेट्स 10 एमएम	40950	57112	44250	39000
एचआर क्वायल्स 2.00 एमएम	42540	58115	45378	39000
सीआर क्वायल्स 0.63 एमएम	45710	63799	51455	42000
जीपी शीट्स 0.63 एमएम	55870	67282	58767	49000
स्रोत: जेपीसी				

(ग): वित्त वर्ष 2018-19 की पहली छमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2019-20 की पहली छमाही में प्रमुख भारतीय इस्पात कंपनियों ने अपने लाभों में कमी दर्शायी है। हालांकि, किसी भी प्रमुख इस्पात कंपनी द्वारा उत्पादन बंद करने की कोई खबर नहीं थी। लाभ में कमी के लिए केवल कम घरेलू माँग को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता बल्कि अधिक इनपुट लागत, कम विक्रय प्राप्तियाँ आदि जैसे भी कई कारण हो सकते हैं।

(घ): जैसा कि उपरोक्त भाग (क) के उत्तर में उल्लेख किया गया है, इस्पात उद्योग एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और देश में इस्पात मूल्य बाजार आधारित है और व्यापारिक रूप से निर्धारित किए जाते हैं। तथापि, सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग को बचाने के लिए एंटी डंपिंग शुल्क, प्रतिकारी शुल्क और न्यूनतम आयात मूल्य जैसे विभिन्न व्यापारिक उपायों के माध्यम से कई प्रयास किए हैं। सरकार ने व्यावसायिक उपायों के अतिरिक्त सरकारी एजेंसियों द्वारा घरेलू रूप से निर्मित लोहा और इस्पात उत्पादों को प्राप्त करने के लिए घरेलू निर्मित लोहा और इस्पात उत्पाद नीति तथा देश में घटिया इस्पात के आयात को रोकने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश भी जारी किए हैं।

****